Tel: 0294-2471815, 2421753(O); FAX: 0294 2471815, 2470682 Email: mpuatmediacell@gmail.com

मीडिया प्रकोष्ट
संचार केंद्र, प्रसार शिक्षा निदेशालय
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उदयपुर–313001

MEDIA CELL
COMMUNICATION CENTRE
DIRECTORATE OF EXTENSION EDUCATION
MAHARANA PRATAP UNIVERSITY OF AGRICULTURE
AND TECHNOLOGY, UDAIPUR - 313001

Dr. Subodh Kumar Sharma
PRO and In Charge Media Cell

No. PRO/MPUAT/2016/198
Dated: December 24, 2016

प्रेस विज्ञप्ति

सर्वांगीण विकास के लिए सदाबहार हरित क्रांति की जरूरत – राज्यपाल

एमपीयूएटी के दसवें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति ने प्रदान की उपाधियाँ

उदयपुर 24 दिसम्बर 2016। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का दसवाँ दीक्षान्त समारोह 24 दिसम्बर 2016 को दोपहर 12.00 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित स्वामी विवेकानन्द सभागार में हर्षोल्लास से आयोजित किया गया।

माननीय राज्यपाल महोदय एवं कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह ने कार्यक्रम के प्रारंभ में महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलगीत की सी.डी. का विमोचन किया। तत्पश्चात् सभागार में कुलगीत का गायन किया गया। युग पुरूष महाराणा प्रताप को नमन करते हुए एवं दीक्षान्त समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले व उपाधि धारक विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सुशिक्षित समाज के निर्माण में हमारे विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों का मूल उद्देश्य कृषि में उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाना है। उन्होंने कृषि में उत्पादन पश्चात् तकनीकियों, उपज के परिवहन, भण्डारनण, प्रसंस्करण, प्रबन्धन व विपणन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों में कृषि व्यवसाय प्रबन्धन पाठ्यक्रमों को सुचारू रूप से संचालित करने पर बल दिया। माननीय राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों का आव्हान करते हुए कहा कि शिक्षा का किसान, गाँव व देश के विकास में उपयोग करें।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री गुलाब चन्द जी कटारिया, माननीय गृहमंत्री राजस्थान सरकार ने 'ज्ञान के लिए प्रवेश, सेवा के लिए प्रस्थान' को विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह का मूल उद्देश्य बताते हुए कहा कि दीक्षा प्राप्त विद्यार्थियों को आदिवासी अंचल के कृषि विकास में महत्वपूर्ण योगदान देना होगा।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री प्रभुलाल जी सैनी, माननीय कृषि मंत्री राजस्थान सरकार को इस दीक्षांत समारोह में स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से उनके कृषि में महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉक्टर ऑफ फिलोसोफी (एग्रीकल्चर) की मानद उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. छीपा ने माननीय कृषि मंत्री की उपलब्धियों से सदन को अवगत कराते हुए उनके प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। माननीय कृषि मंत्री ने कृषि में नवाचारों की आवश्यकता, प्रदेश

में कृषि विकास के लिये सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना इत्यादि अनेक बिन्दुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्णयानुसार प्रदेश में आनुवांशिक संशोधित (जी.एम.) फसलों के उपयोग पर तब तक रोक रहेगी जब तक इन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वमान्यता नहीं मिल जाती। उन्होंने कृषि में एक्वापोनिक्स एवं हाइड्रोपोनिक्स तकनीकों पर कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा बताया कि इससे 11 गुना उत्पादन में वृद्धि की जा सकती है। साथ ही चित्तौड़गढ़ में सीताफल का एवं अन्य जिलों में फ्लोरिकल्चर व अमरूद का सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स खोलने की जानकारी दी।

आज के दीक्षान्त समारोह में दिसम्बर, 2015 से नवम्बर, 2016 के दौरान योग्य पाये गये 759 विद्यार्थियों को उपाधियाँ एवं 42 वरीयता प्राप्त छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक से सुशोभित किया गया। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों मे 27 छात्राएँ एवं 15 छात्र थे।

राज्यपाल तथा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति के विश्वविद्यालय में आगमन पर उनका अभिनन्दन करते हुए महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. उमा शंकर शर्मा ने विश्वविद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों, गतिविधियों व भावी कार्य–योजनाओं का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रो. शर्मा ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने शिक्षण, शोध एवं प्रसार के क्षेत्र में विशिष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में आने वाले जनजाति बाहुल्य क्षेत्र के ग्रामीण समुदाय की उन्नति एवं खुशहाली के लिये निरंतर प्रयत्नशील है। उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता बढ़ाने हेतु हमारे संघटक कॉलेजों में ई–लर्निंग व पेपर लेस वर्क को बढ़ावा दिया जा रहा है। माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा प्रस्तावित आठ–'प' की सख्त अनुपालना एवं अन्य कई सक्रिय पहलुओं पर भी जोर दिया जा रहा है।

इन्हें मिली उपाधियॉ–

विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ड़ॉ. जी. पी. शर्मा ने बताया कि दीक्षान्त समारोह में दिये जाने वाले 42 स्वर्ण पदकों का विवरण इस प्रकार रहा– कृषि में 10, डेयरी एवं खाद्य प्रौद्योगिकी में 03, इंजीनियरिंग में 19, गृह विज्ञान में 05, मात्स्यकी में 02 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गए। इसी के साथ कृषि स्नातकोत्तर संकाय में कुमारी सोणतारा कलिता को कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया व इंजिनियरिंग संकाय में 02 विद्यार्थियों को ''जैन इरिगेशन मेडल'' स्वर्ण पदक से सुशोभित किया गया।

दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2015–16 में स्नातक स्तर की परीक्षा सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले 555 विद्यार्थियों को स्नातक, 161 को स्नातकोत्तर तथा 43 विद्यार्थियों को विद्या–वाचस्पति की उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें से कृषि संकाय में 107, इंजीनियरिंग संकाय में 340, गृह विज्ञान संकाय में 19, डेयरी व खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी में 51, जैव प्रौद्योगिकी में 18 व मात्स्यकी संकाय में 20 स्नातक उपाधियाँ प्रदान की गईं।

इसी प्रकार दिनांक 1 दिसम्बर, 2015 से 30 नवम्बर, 2016 तक स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले 161 विद्यार्थियों को एमएस.सी./एम.टेक एवं 43 विद्यार्थियों को

विद्यावाचस्पति (पीएच.डी.) की उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें से कृषि संकाय में 59 एमएस. सी. व 26 पीएच.डी., इंजिनियरिंग में 79 एम.टेक व 6 पीएच.डी., गृह विज्ञान में 15 एमएस.सी. व 9 पीएच.डी., मात्स्यकी में 8 एम.एफ.एस.सी. व 2 विद्यार्थियों को पीएच.डी. की उपाधियाँ प्रदान की गईं।

दीक्षांत समारोह के समन्वयक डॉ. बी. पी. नन्दवाना ने बताया कि इस अवसर पर राजभवन के विशेषाधिकारी श्री अजय शंकर पाण्डेय, माननीय उदयपुर सांसद श्री अर्जुन लाल मीणा, मावली विधायक श्री दलीचन्द डांगी, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति प्रो. जे. पी. शर्मा, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति प्रो. बी. आर. छीपा, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर, जोबनेर, कोटा के कुलपति, विशेषाधिकारी, कुलपति एमपीयूएटी ड़ॉ. सुभाष भार्गव सहित अनेक गणमान्य नागरिक, अधिकारी, विश्वविद्यालय के पूर्व एवं वर्तमान निदेशक, पूर्व एवं वर्तमान अधिष्ठाता, विभिन्न संकाय अध्यक्ष, मीड़िया अधिकारी, अतिथि एवं मेडल तथा उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के अभिभावक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव सुश्री प्रियंका जोधावत एवं समन्वयक डॉ. बी. पी. नन्दवाना ने किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में माननीय राज्यपाल महोदय एवं कुलाधिपति श्री कल्याण सिंह के साथ ही विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल एवं अकादमिक परिषद् के सदस्यों ने प्रगमन के रूप में सभागार में प्रवेश किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ एवं अन्त राष्ट्रगान से सम्पन्न हुआ।

रविवार, 25 दिसम्बर को माननीय राज्यपाल श्री कल्याण सिंह जी के स्मार्ट विलेज इनिशिएटिव के तहत विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिये गये ग्राम छाली (पंचायत समिति गोगुन्दा) में माननीय राज्यपाल महोदय का विशेष अवलोकन कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। अपराह्न 12.00 से 1.45 के मध्य आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान माननीय कुलाधिपति द्वारा विद्यालय परिसर में नए कक्षाकक्षों का शिलान्यास, स्मार्ट कक्षाकक्ष का उद्घाटन, ग्रामवासियों के साथ संवाद किये जायेंगे। इस दौरान माननीय सांसद, उदयपुर श्री अर्जुन लाल मीणा कुलपति प्रो. उमा शंकर शर्मा भी सभा को सम्बोधित करेंगे। स्मार्ट गॉव के समन्वयक डॉ. आई. जे. माथुर विभिन्न कार्यक्रमों का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। इस दौरान ग्रामीण कलाकारों द्वारा मेवाड़ अंचल के लोकनृत्य गवरी का प्रस्तुतीकरण भी किया जायेगा।

(जनसम्पर्क अधिकारी)

सादर प्रकाशनार्थ
श्रीमान संपादक जी,

.....

जिला जनसम्पर्क अधिकारी, आकाषवाणी, राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर, अपरान्ह टाईम्स, दैनिक नवज्योति, राष्ट्रदूत, प्रातःकाल, जय राजस्थान, उदयपुर एक्सप्रेस, दैनिक लोकदषा, हलधर टाइम्स, समाचार जगत, आत्मा की ज्वाला, प्रैसनोट डॉट कॉम, उदयपुर टाइम्स, उदयपुर लेकसिटी डॉट कॉम, जी मरुधरा, इन न्यूज, डी डी न्यूज, इण्डिया न्यूज, चैनल 24, ईटीवी राजस्थान, ...